>

Title: Regarding delay in release of enhanced amount of Rs. Five Crores under MPLAD Scheme to Barabanki in Uttar Pradesh.

श्री पन्ना लाल पुनिया (बाराबंकी): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार रखने का मौका दिया। यह सदन के सभी सदस्यों से संबंधित सांसद निधि से ताल्लुक रखता है। भारत सरकार के 2011-2012 के बजट के अंतर्गत सांसद को मिलने वाली सांसद निधि की धनराशि को दो करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये करने की घोषणा की गई थी। परंतु घोषणा के महीनों बीत जाने के बाद भी सांसद को जारी होने वाली राशि की पहली किस्त पुरानी दर, पुराने हिसाब से मात्र एक करोड़ रुपये जारी हुई है। जबकि बजट घोषणा के अनुसार कम से कम ढाई करोड़ रुपये की धनराशि जारी होनी चाहिए थी।

मैं आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए बताना चाहूंगा कि घोषणा के अनुसार न केवल धनराशि कम जारी की गई, बल्कि इसके जारी करने में तीन माह से अधिक की देरी भी हुई, जो अत्यंत खेदजनक है। ...(व्यवधान) जब बजट में इसकी घोषणा हो गई थी तो कैबिनेट में इसकी मंजूरी देना तो औपचारिकता थी। मेरे लोक सभा क्षेत्र बाराबंकी के लिए केन्द्र द्वारा जारी अमुक धनराशि से अधिक के कार्य स्वीकृत किये जा चुके हैं। लेकिन अगली किस्त अभी तक जारी नहीं की गई है। इसके अतिरिक्त यह भी देखने में आया है...

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया संक्षेप में बोलिये और जल्दी समाप्त कीजिए।

श्री पन्ना लाल पुनिया : मेरे द्वारा स्वीकृत कार्यों को समय पर पूरा नहीं किया जा रहा है, बल्कि उसमें अनावश्यक देरी की जाती है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जब एमपीलेड का विषय आयेगा, तब बोलिये।

श्री पन्ना लाल पुनिया : जिसके कारण जिलाधिकारी द्वारा उपयोगिता प्रमाण पत्र भी देर में प्राप्त होता है और उसके परिणामस्वरूप अगली किस्त देर से जारी होती है।

इसलिए मेरा अनुरोध है कि संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये जाएं कि पात्रता होते ही अगली किस्त तत्काल जारी कर दी जाए और कार्य को समय से पूरा करने के लिए कठोर मॉनिटरिंग की जाए, जिससे अनावश्यक देरी न हो। मैं सदन के माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी और प्रधान मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि बजट घोषणा के अनुसार सांसद निधि की धनराशि को तत्काल जारी किया जाए। ...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): महोदय, माननीय मंत्री जी यहां बैठे हैं, आप उनसे कहिये कि वह कुछ बोलें। मंत्री जी, आप कुछ तो बोलिये। ...(व्यवधान) कुछ तो जवाब दीजिए। आप यहां बैठे हैं तो कुछ बोल दीजिए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : हम मंत्री जी को बोलने के लिए बाध्य नहीं कर सकते हैं।